

अचीवमेंट देशभर के 500 बिजनेस स्कूलों ने किया था पार्टिसिपेट

आईआईएम अव्वल } सीएसआर-जीएचआरडीसी बी-स्कूल रैंकिंग 2022 की रैंकिंग

ZOOM रिपोर्ट
patrika.com

रायपुर. आईआईएम रायपुर को एक बड़ी उपलब्धि मिली है। सीएसआर-जीएचआरडीसी बी-स्कूल रैंकिंग 2022 में उसे पहला स्थान प्राप्त हुआ है। सीएसआर-जीएचआरडीसी बी-स्कूल रैंकिंग, शैक्षणिक क्षेत्र में सबसे सम्मानित और हर जगह अपनाई जाने वाली रैंकिंग मानी जाती है। यह प्रतिष्ठित रैंकिंग फैकल्टी, इन्फ्रास्ट्रक्चर, रिसर्च और आउटरीच गतिविधियों जैसे विभिन्न मापदंडों के कठिन मूल्यांकन पर आधारित होती है।

सेंटर फॉर सस्टेनेबिलिटी एंड रिसोर्सिबिलिटी (सीएसआर) और ग्लोबल ह्यूमन रिसोर्स डेवलपमेंट सेंटर (जीएचआरडीसी) जैसी दो संस्थाओं ने रैंकिंग तैयार की थी। यह संस्थाएं पिछले दो दशकों से अधिक समय से शैक्षणिक संस्थानों का मूल्यांकन कर रही हैं। इस साल की रैंकिंग इसलिए भी मायने रखती है क्योंकि देश भर के 500 से अधिक बिजनेस स्कूलों ने भाग लिया था।



इस वजह से नंबर-1

वजह बताते हुए डायरेक्टर रामकुमार काकानी ने कहा, यहां की फैकल्टी में अपने-अपने क्षेत्र के एक्सपर्ट शामिल हैं। संस्थान ने शोध के क्षेत्र में भी बहुत ज्यादा रुचि ली है। फैकल्टी और छात्रों के रिसर्च पेपर रेगुलर तौर पर प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में प्रकाशित करते हैं। इसके साथ ही इनोवेशन और एंटरप्रेन्योरशिप, एनर्जी मैनेजमेंट में अच्छा काम हुआ है। हमने सामाजिक समस्याओं को हल करने के लिए कई सरकारी एजेंसियों, गैर सरकारी संगठनों और निजी संगठनों के साथ हाथ मिलाए हैं।

फर्स्ट आना प्राउड मोमेंट रहा



प्रो. आर.के. काकानी, डायरेक्टर इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, नया रायपुर

इको फ्रेंडली सोसायटी बनाने, एजुकेशन, हेल्थ और हरियाली को बढ़ावा देने के प्रयासों के लिए हमें यह रैंकिंग मिली है। यह उपलब्धि यहां लीडर्स के डेडिकेशन का मिसाल है। यह हमारे लिए प्राउड मोमेंट है।

इन चीजों को किया गया है एडॉप्ट

इंस्टीट्यूट के डायरेक्टर राम कुमार काकानी ने कहा, "कोरोना ने काम करने, सीखने और दूसरों से जुड़ने के तरीके बदल दिए हैं। पढ़ाई वर्चुअल होने लगी थी। कोविड से पहले और बाद के दोनों माहौल को एडॉप्ट करने में कैपिबल रहे। हमने एड्वांजिकल टूल्स, सिमुलेशन और डिजिटल जुड़ाव का उपयोग करके एडवेंस लर्निंग (प्रौढ़ शिक्षा) शुरू की है। फ्लैड क्लासरूम, काइनेस्टेटिक लर्निंग, मल्टी-सेंसरी लर्निंग, गेम-बेस्ड लर्निंग, स्टूडेंट-सेंटर्ड लर्निंग, टीचर-सेंटर्ड लर्निंग और इंकगयरी-बेस्ड लर्निंग जैसे तरीके भी अपनाए हैं, जो छात्रों को इन्वेस्टिगेशन और हायर क्वेरी के जरिए दुनिया से जुड़ने में मदद करते हैं। इसे मार्क किया गया।

Date: 30/03/2023, Edition: Raipur City, Page: 17
Source : <https://epaper.patrika.com/>

Patrika , 30th March 2023